B. A.-I (HISTORY) HONOURS, 2020.

NOTES PREPARED BY →

DR. MANITA KUMARI YADAV
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
VAISHALI MAHILA COLLEGE
HAJIPUR, BIHAR UNIVERSITY
MUZAFFARPUR.

Scanned with CamScanner

इसने 1000 ई० - 1027 ई० तक भारत पर 17 बार आक्रमण किए। यह मध्य एशिया का शासक था। भारत भूमि के अंदर तक प्रवेश करने वाले यह प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था। यद्यपि भारत के अंदर साम्राज्य - विस्तार करने का श्रेय इसे नहीं दिया जाता है परंतु भारत में इस्लामिक आक्रमण की शुरुआत इसी के समय से प्रारंभ हुआ।

राष्ट्रवादी इतिहासकारों का ऐसा मानना है कि सिंध में मुहम्मद - बिन - कासिम ने इस्लाम की दस्तक दी थी। जिसे महमूद ग़ज़नवी के समय संपूर्ण भारत में फैला दिया। यह शब्द अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है।

महमूद ग़ज़नवी को ग़ज़नी वंश का संस्थापक माना जाता है। ग़ज़नी वंश को "यामिनि वंश" के नाम से भी जाना जाता है। ग़ज़नी वंश का जन्मदाता अल्पगीन था। अल्पगीन के बाद उसका बेटा सुबुक्तगीन शासक बना। 986 ई० में इसी सुबुक्तगीन ने हिन्दुशाही राजवंश के विरुद्ध अपनी सेना भेजी थी। सुबुक्तगीन की मृत्यु 997 ई० हो गयी।

तारीख - ए - गुजिदा के अनुसार सुबुक्तगीन के मृत्यु के पश्चात ग़ज़नी का शासक इस्माइल शाह बना। इसी इस्माइलशाह को 998 में मारकर महमूद ग़ज़नवी शासक बना।

तारीख - ए - गुजिदा से स्पष्ट होता है कि महमूद ने सिस्तान के राजा खलफ - बीन - अहमद को हराकर पहलीबार सुल्तान की उपाधि धारण की। इस तरह महमूद ग़ज़नवी प्रथम व्यक्ति था, जिसने "सुल्तान" की उपाधि धारण की थी।

Scanned with CamScanner

बगदाद के खलीफा अल - कादिर - बिल्लाह ने महमूद गज़नवी को सुल्तान की उपाधि दी थी। महमूद गज़नवी ने "यामिन - उद - दौला" तथा "यामिनी - उल - मिलाह" की उपाधि धारण की थी।

भारत पर महमूद गज़नवी के आक्रमण के उद्देश्य को लेकर इतिहासकार के बीच मतान्तर है। राष्ट्रवादी इतिहासकार का कैसा मानना है कि महमूद के आक्रमण का एक मात्र उद्देश्य इस्लाम धर्म का प्रचार - प्रसार था। इसलिए महमूद ने अपने आक्रमण का एकमात्र केन्द्रबिन्दु भारत स्थित मंदिर को बनाया। परंतु हबीबउल्लाह, इरफान हबीब, K. S. लाल जैसे इतिहासकारों का कैसा मानना है कि भारत पर महमूद गज़नवी आक्रमण का एक मात्र उद्देश्य धन की प्राप्ति थी क्योंकि महमूद राशेया में अपने साम्राज्य निर्माण कर रहा था और इस साम्राज्य निर्माण के लिए उसे धन की आवश्यकता थी तथा इसी धन की प्राप्ति के उद्देश्य से उसने भारत पर 17 बार आक्रमण किये।

इस क्रम में उसने अपना केन्द्र बिन्दु मंदिर को इसलिए बनाया क्योंकि मंदिर में अपार धन राशि संरक्षित थी। यह दूसरी बात है कि महमूद गज़नवी के आक्रमण के परिणामस्वरूप भारत के कुछ सीमित क्षेत्रों में इस्लाम का भी प्रचार किया।

Scanned with CamScanner